गोहाना। कलाकृति पट पर अपने हस्ताक्षर करते हुए कुलपति प्रो. सुदेश। फोटो : हरिभूमि

विवि में तीन दिवसीय पेंटिंग प्रदर्शनी वर्कशाप का आगाज

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि) के छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग व नेशनल इंटीग्रेटेड फॉर्म ऑफ आर्टिस्ट एंड एक्टिविटीज के तत्वाधान में मंगलवार से तीन दिवसीय राष्ट्रीय पेंटिंग प्रदर्शनी और वर्कशॉप का शुभारंभ हो गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ बतौर मुख्य अतिथि महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त आर्टिस्ट रविंद्र शर्मा और निफ्फा के अध्यक्ष प्रीतपाल सिंह पन्नू थे। उनके अनुसार 2000 में स्थापित यह संस्था इस वर्ष सितम्बर में अपने 25 साल पूरे करने जा रही है। अपने सिल्वर जुबली वर्ष में संस्था संस्था का पहला लक्ष्य ढाई लाख यूनिट ब्लड इकट्ठा करना, 25 लाख पौधे लगाना व 25 लाख युवाओं को इसके प्रति प्रोत्साहित करना है। इसके साथ एक ऐसे ऐप की स्थापना करना जिससे किसी को कहीं भी खून की जरूरत हो तो उसकी जरूरत तुरंत पूरी हो सके। कार्यक्रम की रूपरेखा डॉ. मनोज मलिक ने प्रस्तुत की।

प्रकृति के संतुलन पर टिका सभी का जीवन

हरिभूमि न्यूज गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विवि में विश्व पृथ्वी दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्षता विधि विभाग प्रभारी डॉ. सीमा दहिया ने की। उन्होंने कहा कि हम सब का जीवन प्रकृति के संतुलन पर टिका हुआ है। प्रकृति का संतुलन बना रहे इसके लिए हमें पृथ्वी संरक्षण की दिशा में अपनी सक्रिय भूमिका अदा करनी होगी। महिला विश्वविद्यालय के कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में भी विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य सुमिता सिंह ने की।

प्रो. पूरन चंद का स्वागत करते प्रो. मूर्ति मलिक।

अनुवाद भाषाओं के मध्य सेतु का करता है काम : प्रो. टंडन

गोहना, 22 अप्रैल (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में आज एक विस्तृत व्याख्यान का आयोजन किया, जिसकी अध्यक्षता हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो मूर्ति मलिक द्वारा की गई तथा मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. पूरन चंद टंडन ने सिरकत कर छात्राओं को संबोधित किया। प्रो. पूरन चंद ने अनुवाद विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रो. टंडन ने कहा कि अनुवद भाषाओं के मध्य सेतु का काम करता है, इसके माध्यम से विचारों, विचारधाराओं और संस्कृतियों का आदान-प्रदान होता है। अनुवद साहित्य, विज्ञान, व्यापार और राजनीति के क्षेत्र में मुख्य भूमिका निभाता है। अनुवद के माध्यम से विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अनुसंधान को विश्व स्तर पर लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अनुवाद से शैक्षिक सामग्री को विभिन्न भाषा में उपलब्ध कराकर, शिक्षा के स्तर को बढ़ावा मिलता है,अनुवद शिक्षण में मदद करता है ,अनुवद से लोग दुनिया को वैश्विक दृष्टिकोण से देखने में सक्षम होते हैं ,जिससे विश्व बंधुत्व की भावना का विकास होता है। प्रो टंडन ने आज इस व्याख्यान में उन्होंने छायावाद को परिभाषित करते हुए छायावादी कवियों की विशेषताओं से छात्राओं को अवगत भी कराया।

कलाकृति पट पर अपने हस्ताक्षर करते महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सुदेश।

बीपीएस विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय राष्ट्रीय पेंटिंग प्रदर्शनी और वर्कशॉप का शुभारंभ

गोहाना, 22 अप्रैल (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाताविभाग व नेशनल इंटीग्रेटेड फॉर्म ऑफ़ आर्टिस्ट एंड एक्टिविटीज के तत्वाधान में आज से विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश की अध्यक्षता में तीन दिवसीय राष्ट्रीय पेंटिंग प्रदर्शनी और वर्कशॉप का शुभारंभ किया । विशिष्ट अतिथि अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त आर्टिस्ट रविंद्र शर्मा तथा विशेष अतिथि निफ्फा के अध्यक्ष प्रितपाल सिंह पन्नू पहुंचे। मंच संचालन असिस्टेंट डीन स्टूडेंट वेलफेयर व कार्यक्रम कोर्डिनेटर डॉ. कृतिका दहिया ने किया। डॉ. मनोज मलिक ने बताया की तीन दिवसीय कार्यशाला का विषय इंद्रधनुष-रंग,रानियां और कहानियां रखा गया है। प्रितपाल सिंह पन्नू ने बताया कि कला जीवन के हर क्षेत्र में है, हर एक चीज कला है। आर्ट ऑफ लिसनिंग एक कला है, फैशन डिजाइनिंग एक कला है। पन्नू ने सिल्वर जुबली वर्ष में संस्था के लक्ष्य को दोहराते हुए कहा कि पहला लक्ष्य ढाई लाख यूनिट ब्लड इकट्ठा करना है , 25 लाख पौधे लगाना तथा 25 लाख युवाओं को मोटिवेट करना है। कुलपति प्रोफेसर सुदेश ने कहा कि आर्ट और कल्चर को इस विश्वविद्यालय का अभिन अंग बनाना लक्ष्य है। इस अवसर पर देश भर से कलाकार तथा विभिन संकायों के डीन भी मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती छात्राएं।

विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण संबंधी किया जागरूक

गोहाना, 22 अप्रैल (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के विधि विभाग, कन्या गुरुकुल सीनियर सैकेंडरी स्कूल में आज विश्व पृथ्वी दिवस आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता विधि विभाग प्रभारी डॉ सीमा दहिया द्वारा की गई उन्होने कहा हम सब का जीवन प्रकृति के संतुलन पर टिका हुआ है। निश्चित रूप से हम सबको सक्रय भूमिका निभाते हुए इसके संरक्षण की ओर बढ़ना होगा। प्राचार्य सुमिता सिंह ने पृथ्वी दिवस पर छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि पृथ्वी हमारी जननी के समान है। पर्यावरण का संरक्षण हमें अपने स्वयं के लिए ही नहीं अपि अपनी हमारी आने वाली पीढी के लिए भी करना होगा। इंसान यदि विश्व पृथ्वी दिवस के दिन ही थोड़ा बहुत योगदान दे तो धरती के कर्ज को उतारा जा सकता है। यूनिवर्सिटी कैंपस स्कूल में च पृथ्वी दिवस च के शुभ अवसर पर च हमारी शक्ति, हमारी पृथ्वी च विषय पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने नाटक, भाषण एवं काव्य -पाठ की प्रस्तुति के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के महत्व और पृथ्वी को बचाने के तरीकों के बारे में जागरूक किया। कैंपस स्कूल प्राचार्य डॉ सरोज सिंह ने विद्यार्थियों की प्रस्तुति कि सराहना करते हुए कहा कि सभी विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनना है और पृथ्वी को संरक्षित करना है।

पंजाब केसरी
WED,23 APRIL 2025
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 4

विचारधाराओं और संस्कृतियों का आदान-प्रदान करता है अनुवाद : प्रो. टंडन

गोहाना, 22 अप्रैल (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में विस्तारक व्याख्यान का आयोजन किया गया। अध्यक्षता हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. मूर्ति मलिक ने की। मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. पूर्ण चंद टंडन ने छात्राओं को संबोधित किया। उन्होंने "अनुवाद" विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

उन्होंने अपने अनुभव को सांझा करते हुए बताया कि अनुवाद के क्षेत्र में रोजगार के अनेक अवसर है। प्रो. टंडन ने कहा कि अनुवाद भाषाओं के मध्य सेतु का काम करता है, इसके माध्यम से विचारों, विचारधाराओं और संस्कृतियों का आदान-प्रदान होता है। अनुवाद साहित्य, विज्ञान, व्यापार और राजनीति के क्षेत्र में मुख्य भूमिका निभाता है।

प्रो. पूर्ण चंद टंडन को पौधे का स्मृति चिह्न भेंट करते हुए प्रो. मूर्ति मलिक। (अरोड़ा)

अनुवाद के माध्यम से विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अनुसंधान को विश्व स्तर पर लाया जा सकता है। प्रो. पूर्ण चंद टंडन ने कहा कि अनुवाद से शैक्षिक सामग्री को विभिन्न भाषा में उपलब्ध करवाकर, शिक्षा के स्तर को बढ़ावा मिलता है, अनुवाद शिक्षण में मदद करता है, अनुवाद से लोग दुनिया को वैश्विक-दृष्टिकोण से देखने में सक्षम होते हैं जिसमें विश्व बंधुत्व की भावना का विकास होता है। प्रो टंडन ने छायावादी कवियों की विशेषताओं से छात्राओं को अवगत भी करवाया और छायावाद को विश्लेषित करते हुए उसके मूल को समझाया।